न्यूज डायरी

करॉना का कहरः अब तक 170 मौतें, 1,737 नए मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन में करॉना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 170 हो गई है। इस बीच करॉना से सबसे ज्यादा प्रभावित चीन से अपने देश वापस लौटने वाले लोगों को कड़ी निगरानी में रखा जा रहा है। डब्ल्यूएचओ (भ्)अधिकारियों ने चीन के बाहर लोगों के बीच करॉना वायरस फैलने पर गहरी चिंता जाहिर की है। गुरुवार की बात करें तो पिछले 24 घंटों में करॉना वायरस से मरने वालों की संख्या 38 रही और 1,737 नए मामले सामने आए। अब तक कुल 7,711 मामले सामने चुके हैं। गौर करने वाली बात है कि 37 मौतें चीन के सबसे ज्यादा प्रभावित यूबेई प्रांत में जबकि 1 व्यक्ति की मौत सिचुआन के दक्षिणपश्चिम में हुई। यूबेई प्रांत में करॉना की शुरुआत 1 करोड़ 10 लाख की आबादी वाले शहर वुहान से हुई और अब खबर है कि यहां से 195 अमेरिकी नागरियों को निकाला गया है। इस सभी में वायरस के कोई लक्षण नहीं दिखे हैं और साउदर्न कैलिफोनर्निया मिलिट्री बेस में 3 दिनों से इनकी जांच और निगरानी की जा रही है।

पीएम मोदी के बयान से चिढ़ा पाकिस्तान, कहा–हल्के में नहीं लेना चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाकिस्तान पर प्रॉक्सी वॉर का आरोप जड़ने के एक दिन पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने कहा है कि किसी तरह की आक्रामक कार्रवाई से प्रभावी ढंग से निपटने में जनता और देश के सशस्त्र बलों के संकल्प को किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। उसने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर देश को आलोचनाओं से भटकाने का आरोप भी लगाया। गौरतलब है कि भारत के पीएम ने इस्लामाबाद को भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर छेड़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को कहा था कि भारतीय सशस्त्र बलों को पाकिस्तान को धूल चटाने में हफ्ते–दस दिन से ज्यादा समय नहीं लगेगा। इसके बाद पाक विदेश कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि पाकिस्तान इन बयानों को पूरी तरह से खारिज करता है, जो भारत की पाकिस्तान के लिए लाइलाज सनक को प्रदर्शित करते हैं।

भारतीय अमेरिकी डॉक्टर, सहयोगी ने स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी धोखाधड़ी में भूमिकाएं स्वीकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीय मूल के एक अमेरिकी डॉक्टर और उसके सहयोगी ने संघीय बीमा कार्यक्रमों और निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को लेकर फर्जी तरीके से बीस लाख डॉलर से अधिक के बिल देने में अपनी भूमिका स्वीकार की। ट्रेंटन संघीय अदालत में अमेरिकी जिला न्यायाधीश पीटर शेरिडन के समक्ष न्यू जर्सी के 62 वर्षीय परमिंदरजीत संधू और ओहायो के परमजीत सिंह ने स्वास्थ्य सेवा में धोखाधड़ी की साजिश करने का अपराध कबूला। दोनों को अप्रैल में सजा सुनाई जाएगी। अमेरिका के अटॉर्नी क्रेग कारपेनिटो ने कहा कि संधू ने मेडिकेयर, अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम और निजी बीमाकर्ताओं को धोखा दिया और मरीजों को खतरे में डाला। सिंह पर मेडिकल लाइसेंस न होने के बावजूद सेवाएं देने का दोषी पाया गया है।

नर्सों को हूर बता सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हुए पाक पीएम इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नर्सों को हूर कहने के अपने बयान पर विपक्षी दलों और सोशल मीडिया यूजर के निशाने पर आ गए हैं। उनके बयान को महिलाओं के खिलाफ भी बताया जा रहा है। इमरान ने कराची में एक कार्यक्रम में कहा था कि 2013 में लाहौर में एक चुनावी सभा के दौरान हादसे में उन्हें भारी चोट लगी थी। उन्हें बहुत दर्द हुआ था। उस समय डॉक्टर ने उन्हें इंजेक्शन लगाया था जिसके बाद उन्हें राहत मिली और अस्पताल की नर्सें उन्हें हूर लगने लगी थीं। इससे जुड़ा विडियो पाक पत्रकार नायला इनायत ने ट्विटर पर शेयर किया है जिसके बाद लोग इमरान को काफी ट्रोल कर रहे हैं।

यूरोपियन यूनियन संसद में ऐंटी सीएए प्रस्ताव पर वोटिंग टली

अब मार्च के सत्र में किया जाएगा मतदान, फिलहाल चर्चा होगी

जीत

भारत की कूटनीतिक जीत, देश का नजरिया जानने का वक्त दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। यूरोपीय संसद ने भारत के नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ पेश एक प्रस्ताव पर गुरुवार को वोटिंग नहीं कराने का फैसला किया है। यूरोपीय संसद ने बुधवार को फैसला किया कि सीएए पर वोटिंग 2 मार्च से शुरू हो रहे उसके नए सत्र में कराई जाएगी। माना जा रहा है कि यूरोपीय संसद ने यह कदम इसलिए उठाया ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मार्च में ब्रसेल्स में होने वाले द्विपक्षीय सम्मेलन में शिरकत करने की योजना में किसी तरह की रुकावट खड़ी नहीं हो।

देश का नजरिया जानने के बाद वोटिंगः सरकारी सूत्र वोटिंग टालने को कूटनीतिक सफलता बता रहे हैं। उनका कहना है कि बुधवार को फ्रेंड्स ऑफ पाकिस्तान पर श्फ्रेंड्स ऑफ इंडिया हावी रहे। सूत्रों ने बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर मार्च में पीएम मोदी की ब्रसेल्स की यात्रा का आधार तैयार करने के लिए ब्रसेल्स जाने वाले हैं। यूरोपीय सांसद सीएए पर उनसे देश का नजरिया जानने तक मतदान टालने के लिए राजी हो गए हैं।

सीएए पर भेदभाव का आरोप कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि प्रस्ताव पर चर्चा तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी लेकिन इस पर वोटिंग 30 और 31 मार्च को हो सकती है। इससे पहले यूरोपीय संसद के छह राजनीतिक दलों के सदस्यों ने भारत के सीएए के खिलाफ एक संयुक्त प्रस्ताव पेश किया और इसे भेदभाव करने वाला करार दिया। सूत्रों ने कहा, ब्रेग्जिट से ठीक पहले भारत के खिलाफ यूरोपीय संसद में प्रस्ताव पारित कराने के निवर्तमान ब्रिटिश एमईपी शफ्फाक मोहम्मद की कोशिश असफल हो गई।

भारत का आंतरिक मामला बता दें कि सरकार कहती आ रही है कि सीएए भारत का आंतरिक मामला है और इसे समुचित प्रक्रिया का पालन कर अपनाया गया है। सूत्रों ने उम्मीद जताई कि सीएए पर हमारे नजरिये को यूरोपीय संघ के सांसदों द्वारा निष्पक्ष और खुले मन से समझा जाएगा। उधर, यूरोपीय संघ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रस्ताव भारत के प्रति उसका रुख जाहिर नहीं करता।?

ईयू के अधिकारियों ने कहा कि यह कुछ सांसदों की राय है और इसका ईयू के रुख से कोई लेना देना नहीं है।

अमेरिका नहीं, ब्रिटेन बन रहा भारतीय छात्रों की पहली पसंद!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। भारत से लंदन की यूनिवर्सिटीज में पढ़ने जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में रेकॉर्ड इजाफा हुआ है। ब्रिटेन की राजधानी में विदेशों से पढ़ाई करने आने वाले छात्रों में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा वीजा नीतियों, माइग्रेशन पर कड़े नियमों के चलते भारतीय छात्रों ने ब्रिटेन को पढ़ाई के लिए तवज्जो दी है।

बुधवार को ब्रिटेन की हायर ऐजूकेशन स्टैटिस्टिक्स एजेंसी द्वारा नया डेटा जारी किया गया है। इस नए डेटा का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि लंदन में 2018–2019 में भारतीय छात्रों की संख्या 34.7 प्रतिशत तक बढ़ी। साल 2011–12 के बाद यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है। बता दें कि भारत के बाद लंदन में सबसे ज्यादा इटली के छात्र पढ़ने आए। इटली इस रैंकिंग में चौथे, फ्रांस पांचवें नंबर पर है।

आधिकारिक प्रमोशन एजेंसी लंदन ऐंड पार्टनर्स ने कहा, 3 साल पहले चौथे नंबर पर गिरने के बाद अब भारत एक बार फिर तीसरे नंबर पर है। भारत के लिए यह ग्रोथ काफी प्रभावी है। इस साल भारत लंदन का तीसरा सबसे बड़ा इंटरनैशनल स्टूडेंट मार्केट बना।

ऑस्ट्रेलिया में गर्म हवाओं से एक बार फिर बढ़ा जंगल की आग का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में गर्म हवाओं और लू की वजह से आग भड़कने का खतरा एक बार फिर पैदा हो गया है। साउथ ऑस्ट्रेलिया राज्य में गुरुवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया। यहां कई ऐसे क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की गई है जहां आग लगने की आशंका है। गर्म हवाएं शुक्रवार तक कैनबरा और मेलबर्न पहुंच सकती हैं। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ रही गर्मी तथा शुष्क हवाओं से न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया में जंगल में आग फैलने की स्थिति पैदा हो गई है क्योंकि यहां अब भी 80 से ज्यादा स्थानों पर आग फैली हुआ है।

आसिया बीबी की किताब में पाक जेल में मिली यातना पर खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■जेल में जंजीरों में जकड़कर रखा गया

पैरिस। पाकिस्तान की जेल में दयनीय हाल में आठ साल तक पल–पल मौत की सजा का इंतजार करने वाली आसिया बीबी अब कनाडा में अपनी नई जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं। ईसाई धर्म की अनुयायी आसिया बीबी को ईशनिंदा के आरोप में पाकिस्तान की एक अदालत ने 2010 में मौत की सजा सुनाई थी। 2018 में नाटकीय तरीके से उन्हें रिहा कर दिया गया। वह अब कनाडा में एक अज्ञात स्थान पर रहती हैं। आसिया के जीवन पर एक किताब एनफिन लिबरे (आखिरकार आजादी मिली) आई है जिसमें उन्होंने आपबीती बयान की है।

फ्रांस की पत्रकार हैं किताब की सह-लेखिकाः फ्रांस में बुधवार को प्रकाशित हुई इस किताब का अंग्रेजी संस्करण सितंबर में आएगा। फ्रांस की पत्रकार एन–इजाबेल तोलेत इस किताब की सह–लेखिका हैं और वह कनाडा में आसिया बीबी के समर्थन में एक अभियान भी चला चुकी हैं। तोलेत एक मात्र पत्रकार हैं जिन्हें कनाडा में आसिया बीबी से मिलने दिया गया। किताब में आसिया बीबी ने जेल में बिताए अपने दिनों, रिहाई से मिली राहत और एक नए जीवन को संवारने में आ रही दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा है, 'आप मीडिया के जरिए मेरी कहानी जानते हैं। लेकिन जेल, फिर यहां नई जिंदगी, नई शुरूआत के बारे में आप कुछ नहीं जानते।'

जेल में जंजीरों में जकड़कर रखा गयाः पाकिस्तानी जेल में आठ साल बितानेवाली आसिया कहती हैं, 'मैं कट्टरता की कैदी हो गई थी। आंसू ही जेल में मेरा एकमात्र सहारा थे।' आसिया बीबी ने किताब में पाकिस्तान में जेल की बुरी स्थिति के बारे में बताया है जहां उन्हें जंजीरों में जकड़ कर रखा गया था। उन्होंने कहा, 'मेरी कलाइयां जलने लगती थीं, सांस लेना मुश्किल था। मेरी गर्दन में लोहे की पट्टी बंधी रहती थी जिसे गार्ड एक नट के जरिए कस सकता था।

आतंकवादी हमलों में गिरावट लेकिन पाकिस्तान 'खतरे से बाहर नहीं'

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गुजरांवाला । पाकिस्तान में बीते दशक में आतंकवादी हमलों में 85 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है जो देश के लिए एक स्वागत योग्य आंकड़ा है। हालांकि आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के पाकिस्तान के प्रयासों पर अंतरराष्ट्रीय चिंता और भविष्य में पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ शांति समझौते को लेकर जोखिम बना हुआ है। पाकिस्तान थिंक टैंकों ने मिलकर यह आंकड़ा एकत्रित किया है। उन्होंने पाया कि 2009 में आतंकवादी हमलों का आंकड़ा करीब 2,000 से 2019 में गिरकर 250 हो गया जो बेहद तेज गिरावट है और आतंकवादी हमलों के खिलाफ लंबी लड़ाई को दिखाता है। हालांकि पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्था ने अक्टूबर में कहा था कि पाकिस्तान आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। यह समूह पाकिस्तान को ''ग्रे'' सूची से ईरान और उत्तर कोरिया के साथ ''काली'' सूची में डालने पर विचार के लिए अगले महीने बैठक करेगा। यह कदम पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा हो सकता है।